

पन्त पोलिटेक्निक, दिल्ली के 155 छात्र 1968-69 के दौरान अध्ययन दौरे पर गये थे।

(ख) यात्रिकी इंजीनियरी	74
सिविल इंजीनियरी	17
विद्युत इंजीनियरी	46
ऑटोमोबाइल इंजीनियरी	18
	—
जोड़	155
	—

(ग) 70 रुपये प्रति छात्र के हिसाब से 155 छात्रों को 10850 रुपये का अग्रिम धन दिया गया है। लेखों को अन्तिम रूप दिये जाते ही, खर्च की गई वास्तविक राशि मालूम हो जाएगी।

केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के निदेशक द्वारा विमान यात्रायें

6026. कुमारी कमला कुमारी :
श्री श्रोम प्रकाश त्यागी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय के निदेशक आवश्यकता से अधिक विमान यात्राएं करते हैं ;

(ख) यदि हाँ, तो जुलाई से दिसम्बर, 1968 तक उन्होंने कितनी बार विमान यात्रा की, वे कहाँ-कहाँ पर गये तथा इन विमान यात्राओं पर कुल कितना धन व्यय किया गया; और

(ग) ऐसी यात्रायें कम-से-कम बन्द की जायें इसके लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग). प्रश्न नहीं उठता।

ईसाई धर्म-प्रचारकों द्वारा धर्म परिवर्तन

6027. श्री अटल बिहारी वाजपेयी :

श्री बृज भूषण लाल :

श्री जगन्नाथ राव जोशी :

श्री सूरज भानु :

श्री रणजीत सिंह :

श्री श्रोम प्रकाश त्यागी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 30 नवम्बर, 1968 के (आर्गेनाइजर) में प्रकाशित इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि आचार्य विनोबा भावे ने अपने सरगुवा (मध्य प्रदेश) की यात्रा के दौरान ईसाई धर्म-प्रचारकों द्वारा घोखा और प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन किये जाने की आलोचना की है ;

(ख) यदि हाँ, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ग) क्या यह सच है कि आचार्य विनोबा भावे के अनुसार एक ईसाई धर्म-प्रचारक ने राम और कृष्ण की पाषाण मूर्तियों को पानी में डुबाकर और ईसामसीह की लकड़ी की मूर्ति को तैराकर एक भोले आदिवासी का धर्म-परिवर्तन करने का प्रयास किया ; और

(घ) यदि हाँ, तो उक्त धर्म-प्रचारक का नाम क्या है और उसके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय राज्य मंत्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी हाँ, श्रीमान्।

(ख) से (घ). घोखा और प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तनों के बारे में नवम्बर, 1968 में आचार्य विनोबा भावे द्वारा की गई सामान्य आलोचना की मध्य प्रदेश सरकार को जानकारी है। किन्तु उन्हें यह जानकारी नहीं है कि क्या आचार्य विनोबा भावे ने उक्त घटना के सम्बन्ध में कुछ कहा था, जिसके लिए उन्हें प्रेस रिपोर्ट

में आरोपित किया गया था और न ही ऐसी घटना शासन के ध्यान में आई है।

हाल ही में बने मध्य प्रदेश धर्म स्वातन्त्र्य अधिनियम, 1968 की धारा 4 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के किसी नाबालिग, किसी महिला या किसी व्यक्ति के शक्ति, प्रलोभन अथवा धोखे द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए कठोर सजा की व्यवस्था है।

Compensatory Allowance to High Court Judges on Transfer

6028. SHRI OM PRAKASH TYAGI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to refer to the reply given to Unstarred question No. 6738 on the 30th August, 1968 and state:

(a) the reasons for which the rules for fixing allowance to High Court Judges on transfer from one High Court to another have not been framed yet under Article 222 of the Constitution; and

(b) the time by which the above rules are expected to be framed?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) and (b). Article 222(2) of the Constitution provides that a Judge transferred from one High Court to another shall be entitled to receive in addition to his salary such compensatory allowance as may be determined by Parliament by law until so determined, such compensatory allowance as the President may by order fix. The rate of compensatory allowance has been fixed at 10% of salary and in each case of transfer a Presidential Order is issued fixing the rate of compensatory allowance. Cases of transfer not being many, it is not considered necessary to have a law enacted by Parliament to regulate the grant of compensatory allowance to a transferred Judge.

विज्ञान की विदेशी पुस्तकों को भारतीय भाषाओं में अनुवाद के लिये दिया गया स्वाभित्त्व

6029. श्री ओम प्रकाश त्यागी : क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विदेशी लेखकों की जिन विज्ञान की पुस्तकों का गत तीन वर्षों में भारतीय भाषाओं में अनुवाद किया गया है उनके अनुवाद के लिए राजस्व के रूप में प्रति वर्ष अथवा इकट्ठा कितना धन विदेशों में भेजा गया है ;

(ख) भारतीय लेखकों को स्वयं विज्ञान की पुस्तकें लिखने के लिए प्रोत्साहन देने हेतु सरकार ने क्या कार्यवाही की है ; और

(ग) भारतीय लेखकों द्वारा अब तक कितनी पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री (डा० बी० के० आर० बी० राव) : विज्ञान की विदेशी पुस्तकों को भारतीय भाषाओं में अनूदित करने के लिए तीन वर्षों 1966, 1967 और 1968 के दौरान विदेशी प्रकाशकों को भारत के रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत रायल्टी निम्नलिखित है :—

1966	1,802.30 रु० और 77 पौंड
1967
1968	16,681.10 रु० और 343 पौंड

(ख) वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालय स्तर की मानक रचनाओं के अनुवाद, निर्माण और प्रकाशन की योजना के अन्तर्गत, विज्ञान में मूल पुस्तकों के लेखकों को कुछ वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाता है। एक केन्द्र प्रायोजित योजना के अधीन, जिसके अन्तर्गत लगभग 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, राज्य सरकारों से कहा गया गया है कि वे विश्व-विद्यालयों में उपयोग के लिए भारतीय भाषाओं में विज्ञान में मूल रचनाओं सहित पुस्तकों के अनुवाद और निर्माण की योजनाएं तैयार करें। वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, वैज्ञानिकों को उसके अनुसंधान कार्य तथा अन्य प्रकाशनों के संकलन और प्रकाशन के लिए, वित्तीय प्रोत्साहन देती है। स्कूल स्तरीय शिक्षा के लिए विज्ञान में अनुपूरक पाठ सामग्री के निर्माण के लिए राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान तथा